



विषय आ क माः क क

ल स ल स त स द्वा स स थ न द्वा कि का ल श यि कि
हि व्या हा व यि ना य ना स इ यि हा ॥ थ स त न व य इ हा ॥
१०० ॥ १०१ स घी ग त वा श्र द नि श्र द ना द क लिन्द क ना
य वि स्व स श श न स ग सि ता ह व रु ग न द हा हा
धा न ५ थ स त न य प व वि च न द क मा का र वा द
ता द क मा वि न न द क मा व ना न क श मा

मा न य प्र क क

मि न ल क मा थ ति मी ना ग ना कि श ग द न श्रु हा
१०० ॥ १०१ न द हं मा हि नि स व वा धि द्वा स श य त हा
हा ॥ १०२ मा न स क मा ल त न य द मा श्र व सा न
मा ॥ स ता स श ॥ १०३ ॥ १०४ ना वा य ल तु ल्या क च नू लि
सि त वा ल स सा क थ न सि सि द्र म न लि या हा श ॥
च न या य ल स स दू दू के वा य स स स क कू मा रि

रविचन्द्र

म

दुःकृष्णमालिङ्गं वनमालिङ्गं द्यावमालिङ्गं ॥ ॐ
ॐ अ व त वा नि य व रू क य व अ द द ल ज्ञा ॐ तं के
न न तं ड कि वि स कि नि तु ति नि य ल ति नि वा न
गंगा वा न र स म रू न न सै ॐ त न कि ज्ञा ग्रा ध न
२ अ वि चाल ना स म अ या दा द व मा न ज्ञ व न य
न न के के द स व ॐ श न कू गु नि ॥ ॐ ॥ ॐ सिद्धि क

म

व

श

कृष्णं निरुद्धं तं धनं सान्ना क य म स त्थ ॥ ॐ
२ द द सा व त तं दू र त सा दाः धनं श वा त स पा द
अ त मु नि म त्प्र दा श क य क सी सा न व स इ मि
श य श क ॥ ॐ ॥ १ ति द्वा ति का सि द्वा ति का वा वि व
न सा हि नि वा य त लि म न र ग व वा त दू न स त्ता द
ॐ ल का व पा दू दू त सा दाः धनं श सि ध त म त्प्र वृ का

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यथ सति दाशु श्वा ल क न मि सा न न व स ह पि डा श
ना ॥००॥ ॥ ॐ उ न सा दा ह त सा दा मि द्वा स इति डा
श या ॥ मि सा वा व ॥००॥ ॥ मि दि गु न सा ग्या मि दि
ति काः लि दा ति काः पा पी याल सा दा ति च ना श त न
सः क ति स ना ल ग ती दू न स त्र ॐ श्वा वा वाः ध न र
मे ध ल स त्र य न वा श य स न ति दा श मि सा श्वा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ल क न य श व स ह मि डा श ना ॥००॥ ॥ ॐ च कि ना
मा तु ति ना दा य ध न कृ ल स क द्या पे ~~व द~~
श का क य दा य स ल य वा ग्य न त य स स ल ग न
दि यः सा स मा दू दू न ता न क ॐ दू ता न कः उ वा
न य नं या श न ॥ २ य ना न त्र नि नू य के स ल द ल
द सा द ग म पि व लि क कि दा य क श न न स

अदि न मा

स्व स म सा सा क यो स्वा ला ला म मा ॥ २ ॥ ति तु सि मा
ह य क स्व तु सि मा हा व क न स्व न स म ला ग
न स्व न का सि स द य श न ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ के दि ग न
वि क र्च ना ग ना स प ना स प ह ह ह ह ह न म हा
ध न न श श न न श श मि का य का ना म ह स थ न

म सा व य क ॥ १ ॥ क म म
मा

न तु य न या श का स्वा य क अदि न या श मा ॥ ॐ ॥
ॐ वि ल व न स हा स किः व न ग्रा का सा वि ह का न
ह म न तु धा ॥ ले य रु य न वे ता न के स म सा वा म
स रु मा न ना न व य के ॥ ॐ ॥ ॐ वा दि ना
वि रु ता दा मः रु ता हा हा ॥ थ स तु न धा ३ न स्व रु
य ल वे ता न के दि के श श मा ॥ ॐ ॥

ॐ इ श शः कू टः त द वा इः ॐ काः स क स्या नः नू य
 क स नः स त द्रा वः स स ल ग मा द धू य थ न० स च
 वा य स रू याः स ग म स श न तौः थ दू ला म श॥
 ॐ वि वू ल न य । म स क न म दू र दू ॥ ॐ
 स ता व वि क य का य ॥ ॐ थं थं थं ति ति ति
 ति क्री क्री ४ क्री वा क्री वा त्या ति द द्वा ध ल श॥ रू ट वि धि

रू ट वि धि

म श

ॐ सा दे स्या के पू य का न वि स्या दि छि य ॥
 ॐ स गि ला गि ना का स ता द द य दू रू ट ॥ ॐ इ मा मा द
 त्या क वू य ॥ ॐ ल ति म स कृ ष्या दू रू रू रू ला ला ॥
 थ ह श ॥ द्या थ त्या क मा वू य ॥ ॐ का न श धा ति
 नि न व त थ श ला थ वा दू रू त ला ला ॥ ॐ न न मा न य
 म म रु ॥ ॐ ॥

वा न स्या क मा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 वल्लभः सुखकृतिः सौख्यं नयति दमकः गत्युत्तरं
 ठञ्ज्यं प्रलुप्य नमः ॥ इति दमकस्तुतः ॥ इति
 शतमन्त्रयोगः ॥ अथास्तौ नित्यं च ततस्तौ
 सततं सः का सततस्तौ ॥ यौ न सततस्तौ ॥ द्विष
 न सततस्तौ ॥ स्वास्तुस्तौ ॥ नास्तुस्तौ ॥
 तुस्तुस्तौ ॥ तस्तुस्तौ ॥ तिमस्तुस्तौ ॥

विमलमालः वलवल वयसदिस्रः काल
कप्रसदीस्रः बालबाल गल गल दूतसदस्रः
लातिहदीनस्रः इतु २ स्रस्र ~~स्रस्र~~ नयाः ३ः ३
इइयायः गुरुकिआकिः सनरुकिः इलस्रक
३ ३ नवायः सिदिगुरु श्री दूतासका स्रस्र प्रसा
लः स्रनावा नस्रस्र नता नक वी स्रस्र ॥ ॥ विमल
हिमनाः ३ः ३ः काथयययादाः व्यानः तगना इयादा

पूज्याः नमो नमो क

रुत सा सः लुप क स नः स त द्रा वः क ठः ॐ काः क
क स गी ग लः क ल नः क र्व लः स स द ह ल ॥ ध त त
पू ल्क मा दः ध ध वे द श मा क ध न ॥ ॐ ॥ ॐ व र्ज वा न
हि स व द श न त के ह न हं र ह ॥ ध ॥ ॥ पू दः मा क ज न वि
मा व हा ल ॥ ॐ ॥ ॐ न म सि धि गु ल श द्रो ॥ ध र उ द पं सा
हा ॥ ध ॥ ॐ मि न सा हा ॥ ध र श के यू थ ग ह उ सा हा ॥ ध ॥ ॥
ना म न दा क थ सः ना हा त न श द दौ द न पः ह न का बः क स

म वा क म क वि म म

रु र स वा लः यि स्यः हा ल ॥ द ल ॥ ॐ ति न र सा हा ॥ ॐ का म ॥
श दि म व दि मा ल हा स म द रु ल ध त चूर्क मा दः रु र स
श सै ल न का म ॥ ॐ ॥ ॐ न म द्रु जै ॥ ॐ ॥ ॐ न द स्र व न
का क गी गा म य सि व सि त वि द नु दि स या नि मे वि स यो
र व गृ धि नि सा हा ॥ ॥ न रु व रु य न या श ता न क न ना
न म वा वा य क ॥ ॐ ॥ ॐ वि स वा न नि वि स ना श नि ॥ ॐ ग
रु उ व रु ग नू उ हं सा हा ॥ ध न नु नः दा यू का स व सि म

नमो भगवते
सर्वभूतहिते

संज्ञा का शिवि मा. क्र. १७ सनाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वला पथ चान नंदी कंग कात्रिका सिद्धि न विचार मेल
ॐ ४२ ॐ १ ह न २ ह न ३ ह न ४ ह न ५ ह न ॥ ॥ धन १ क सव न. शाल
दुष्टि दा काश. स थ. थ. दा श. क्र. स स. प्रा. घ. न. स.
स. न. य. न. य. श. न. न. थ. य. स. न. ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सर्वभूतहिते
नमो भगवते

धन १ क सव न. शाल ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
स. व. न. स. व. न. क. स. न. ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पु. द. व. न. स. न. ति. ला. दा. ॥ ॥ ध. न. क. न. स. व. न. य. प्रा. य. प्रा.
य. स. चा. व. य. स. द. न. ना. ने. व. य. क. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
या. न. या. न. स. व. प्रा. : घ. न. क. ह. श. व. प्रा. : ॥ श. क. घ. न. श. व. प्रा.
॥ ॥ ध. न. श. वि. श. व. य. सा. सा. न. क. : य. श. क. क. श. य. क. स. न.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ का मू कि का श्र हूः ॐ ना द नी वा रु यः सा सा नीः श्र वं मू य
ना हः रु ट सा हा ॥ पि कू डाः श्र याः ग्वा न रु व न वं त के ॥ ॐ
ॐ न क ना दि वं चं कूं रु त सा हा ॥ धा न त दि छि य म नु ॥ ॐ
॥ ॐ श्र स म ति श्र स ती सा हा ॥ ॥ धा न ३ वं यू यि रु व न
व ॥ ध स त्र डि स श्र स ॥ श्र स न प्र ॥ श्र वि वा न म ग न क
श्र न ॥ ॐ ॥ ॐ श्र ना वा च ॥ ॐ श्र न उ ध्व र्थ न उ ध्व र्थ य र्थ
पा द वा क वा न उ ध्व र्थ न उ ध्व र्थ ॥ सि ध्वा नि उ ध्व र्थ न वा रु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

न उ ध्व ना ॥ न व ना ग क ग्वा उ ध्व र्थ ॥ श्र न त्र ति श्र ना न उ ध्व
श्र ॐ ति म नु दू न वा धा ॥ ॐ ॥ मि सा न दू या धू न का या श्र चि
क न श्र ॥ श्र य न या श्र ॥ कं च कं मि सा थ श्र व स स श्र या
सि धि ॥ ॐ ॥ ॐ श्र न न ना ग ना श्र य सा हा ॥ वा शु कि ना
ग ना श्र य सा हा ॥ वि धा नि रु त सा हा ॥ वि प्र स या प्र ॥ ० ॥
ॐ न ता प्र लो ग ल्व ल्व ॥ वि श्र व त म ना रि ॥ च न च न स
य ॥ श्र व न थान श्र दू न र वा च ॥ ॥ वि श्र न तं श्र न ॥ ॐ
ॐ ॐ ना र्थ ला कि ॥ ना म श्र वा वा दं तं ग ल्व र्थ मू श्र उ दं चा पि

महानि
आथम
मिसा

ता मादि जात्रा मादि व द न वं हु धा न खन्द मा ही नाग
नहि नाग माहि दि गु न रं ह्य ॥ ० ॥ धा न रु मा न च त सिं
अप न य त म हा त न कु म रा रु मा हा नि य रा
मा ह नि ॥ ॐ ॥ ॐ त न त न क न त न ॥ अ म किति का क म द
मा ह न वृ द्धाः ॥ य चा ता त्रि सि दि गु न रं ह्य ॥ ध न ध क
न रा पु यः य त ह म म ॥ ० ॥ ॐ गु न रं ह्य ॥ ता क न मा
दिव को स्व मा दिव स्वा या या र ति यू ति ध त ना व द्वा दा श द
न पा शा न स थ न सि हा ता त म क म तु ॥ ॐ ॥

मनप
विनि
मका

ॐ कू र हा हा ॥ धा न ॥ गु न रं ह्य ॥ का त्रि धी र वू र क न म
ॐ ॐ धा वा च न वा त न क हं हं वि रि ध न दा ना सि सि च
सि शा क गु न का श कि म नि र कि र हा म न ॥ ॐ ॐ धा
वा च ॥ अ न हा त श ध य म मा न हा क मा ॥ ॥
ॐ न मा की पु ग म मा न कू र र वि न हा हा ॥ न र व रु व र
प ता न क वि ति म रु श क वि ति रु मा प्र म न क य
॥ ॐ ॥ प रु म रु का न र धु न वा वि न क ति व वा वा व ह
न व न पु म ति हा मि ॥ ॥ य थ म वा वा य क ॥ ॥

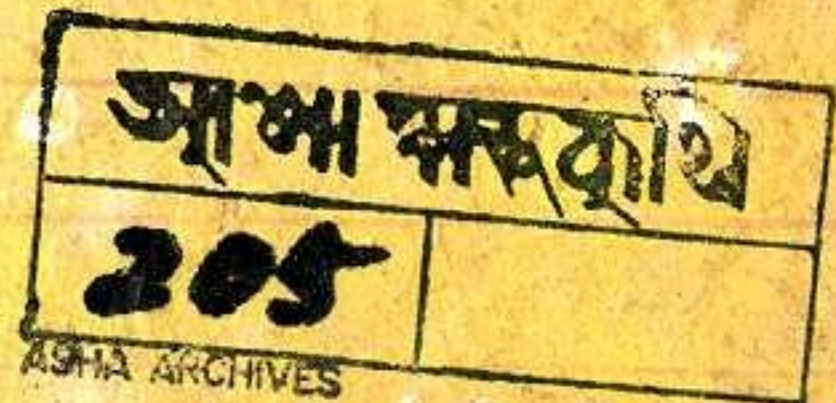
सा नको द म के दि वि म

ॐ का त्रि क रं ति रु द नि वि श्व नि क ल निः रु के स्र सा रा
: गु ल के ग ज किः म त्रि रु किः दू रा म नु ॐ श्व र्वा वा च
॥ लं ख र व न र्वा ता न केः सा न को द म के ॥३॥
ॐ रू न न त न दू रु त ॥ मि श्वा त्या क मा य म न नु ॥४॥
ॐ रू धी र द्वा र कि उ र वा नि ध ह कि उ र सा दा ॥ धा र त दि की
म म नु ॥५॥ ॐ का य का म न थि दि न सा न द न र

मि सा न न र

॥ धू न थ श मि र स श रा श रि ग मा भा र स या दा श
मि सा ह रा ग मा प्र मि सा न ता न त म रु प्र के रु रा
॥६॥ १ क न व ल र्ग ल क लू ना प ता र स सा र सा न र रु मि द
क ल स या प स र दि प मा न वि द्र र व ल या नि स त न मा मि ॥
१ रु म रि पिः य वि वि लि रिः क स्र प लि ॥ म लि वि पि ॥ न मू नि लि पीः
दू वा सा लिः प्रा स लि पीः उ म त म लि पिः ना ल द लि पिः क सि प लि पिः क सि
का द्वा पा म रु क ॥ गं ध लि पिः ग द्र के का पा म रु कः य सि लु लि पिः वि स्वा मि रु

त्रिलिपिः पून सल्लिपिः अगस्तुल्लिपिः सन कक्षा। द्वित्रिपिः। पूर्णं।



Handwritten text in a script, likely Devanagari, at the top of the manuscript page.

Small handwritten text or symbol on the left side of the page.

Small handwritten text or symbol on the right side of the page.



Multiple lines of handwritten text in a script, likely Devanagari, occupying the lower half of the manuscript page.

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ तं गच्छात्तं सवि सति प्राज्ञा दया
यः ॥ य नये दू निथ निद्रि ॥ २ ॥ ग्यानि स्व स्य थनी ॥ कृ य
॥ सा प्रा या वा त न त्रि त ल उ द्य न थ नि ॥ यदि
नाथ श्री ॥ १ ॥ नू स कृ द न ना थ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ सि द व
त धानि गालि य उ द्य न थ नी ॥ ४ ॥ ल ख न वि दू नि थ नि द्रि
॥ ५ ॥ ग्यानि ष स ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ कृ य प रू त य स त न न न त्रि य द न

श्री गणेशाय नमो ॥ आस र स्वति नम ॥ अ घ सु पारी म न्त्र नु र वा ड नु
॥ ज त कि ज्यो प ता गी री पा ता त वा ना ग जि सी ल ॥ रा ई उ ति त गी जी ता
गो तौ ये सा ता ग्र सु ता सु ष नु वं ष त दे षे ॥ इ न्द्र शी ती त क रा तो ना च म्या पु र्म त्र
ग्री फ त् स्व हा ॥ ॥ ग ग श मि त् त ने ॥ ॥ अ न र ष ट इ वा गी स रि ॥ सु न को
मा ति ॥ सु न को ग डि जा स रु सा भा ङो ॥ इ धु हो ति पी टी को ता ई मे रो स त्रु
भा गि जा ई हू रू हू रू हू रू वा ग वा गी ती को इ हा ई जि त् स्व हा ॥

राजमोहनिरक्तचंदनलगाउनु॥३॥ मोहनिस्यामिदुयै योन्डीटमोहनिराश
जदेयाः॥ ॥ दाजै जोहुराजै ज्यं हुंकीराजै यंधौदलेटेमारै जोरिनियाधुं
सी हासमहिरानिवंधौ जिउमयो स्मौजिभरगंधौ हातचलायेन हातैवै
धौ दृष्टाहरेनिदृष्टवंधुं कामरुक्काकाः पुरष्यादेवीगुरुकीसक्तीमेरी
भक्तीफर्मत्रः ईश्वरकिवाचा॥ ७ ॥ मेरोमुखजो न देखे तो सी ना ठहै नत

रसी नाकातिमरेवापजरसीहवीरतेरौ सक्तीमेरी भक्ती फर्मत्र ईश्वर
चाहुं फरखाहा॥ ॥ मोः श्रीकतेमंत्र॥ सुमेरुकापन्यरषसेतेसै मैते लाया
का मोहनिरुःमधः तान्यकीवाचासनेवाचः॥ ॥३॥ फुलफुलः कति
कोपीताहसनी गोरापार्वता ईश्वरभगवानकावाचा७ मरातासिरु
लेराउनु॥ ॥

५॥३॥ ५॥ ५॥

धुरिगिगधुरमातेविः मोहनचिंतचनचत्तमाषाकरेगुरुसक्तीमेरिभ
क्तीफुर्मत्रइस्वरकीवाचा॥७॥ फेरामनवीताहोहनि॥ ॥३॥ क
फुलैफुलपातिफलुनुकातानान्यभातिजोगितीपाहुं पाहुं पाहुं माहलोह
हीभाउंकादुपुरमंत्रवाचा॥ ॥४॥ मोहनमोहराजमोतपुजामोहनअस्त्री
मोहनसीहासनवसिराजाकम्याउपःतहीवैठिरानिकंपाउवागापाता

आनिपठाउगुरुकीसक्तीमेरिभक्तीफुर्मत्रइस्वरकीवाचा॥ ॥

जुवाजिततेजंत्र॥ भुजापातमाः॥ पंचसुगंधतेतेषतुजुवाजिते॥ ॥



॥३॥ २८

॥सर्वैकोपीयारोहुनेजंत्र॥ ॥पञ्चसुग
अकुम्कुमकेसरिकात्ताधतुराकारस
तेजंत्रतेषुन॥ ॥

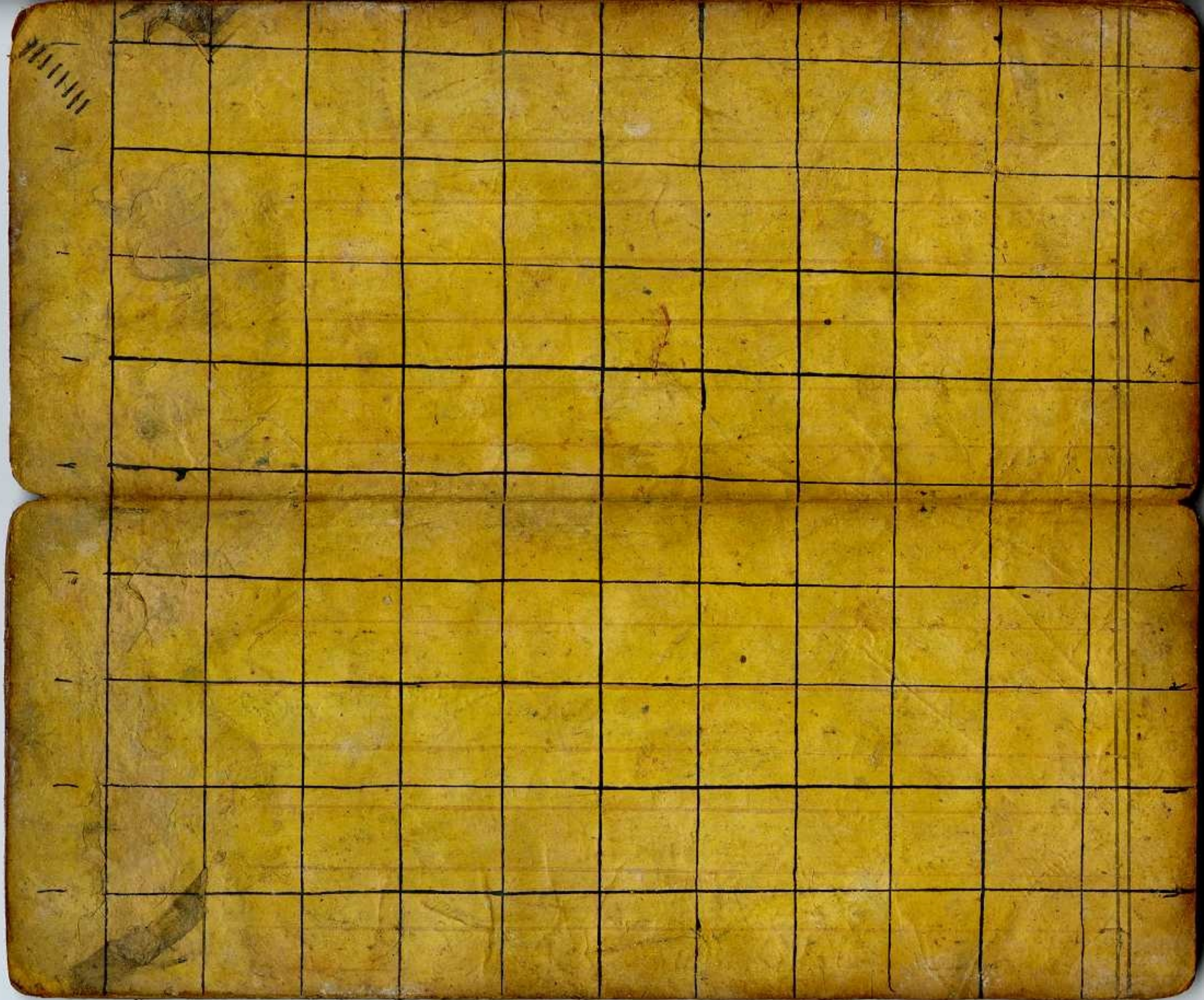


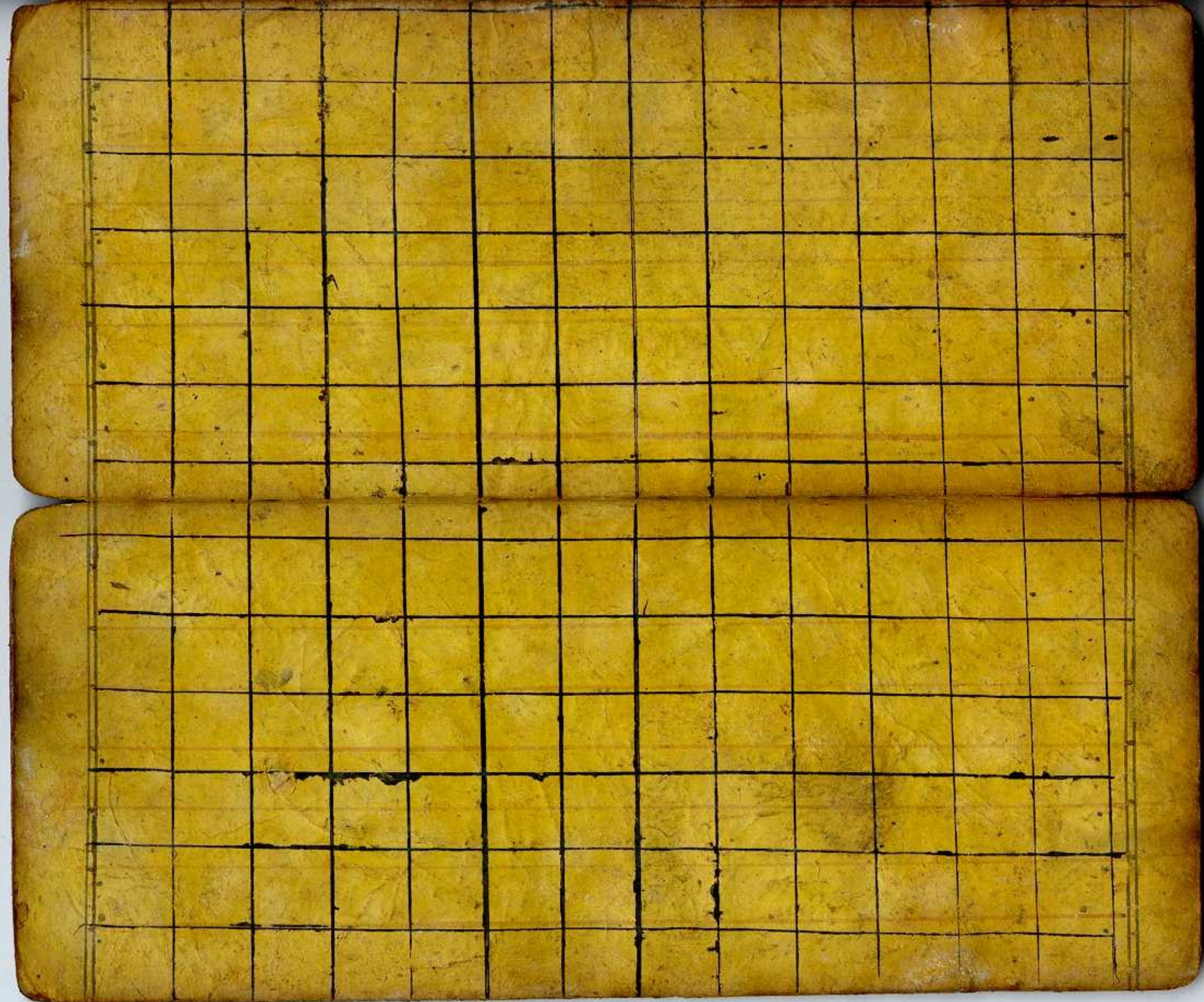
सर्वरक्षाजंत्र



२४ वा शतक ५५ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय





॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ५ ॥

१

॥ ६ ॥ सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १० ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ११ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १२ ॥

सर्वभूतहितं

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमांश्चरितान् यदा ॥
 सङ्गम्य मामुज्ज्वलं तेजो नयान्निभः ॥
 सङ्गम्य पाण्डुपुत्रोत्तमांश्चरितान् यदा ॥
 सङ्गम्य मामुज्ज्वलं तेजो नयान्निभः ॥
 सङ्गम्य पाण्डुपुत्रोत्तमांश्चरितान् यदा ॥
 सङ्गम्य मामुज्ज्वलं तेजो नयान्निभः ॥

विश्वनाथ

